अंक 10 माहः मई 2025

विश्वत

मासिक पत्रिका

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Madhya Pradesh, Khandwa AN AISECT GROUP UNIVERSITY

विश्वविद्यालय मासिक पत्रिका

"ऊर्जस्वला वर्चस्वला अतिनिष्चला विजये
We are Energetic, Influential and are Always Committed"

मास का सूत्र

।। अप्प दीपो भवः ।।

जिसका शाब्दिक अर्थ है — "स्वयं अपने लिए दीपक बनो।"
यह उपदेश आत्मनिर्भरता, आत्मज्ञान और आंतरिक आलोक की प्रेरणा देता है।

।। अप्प दीपो भवः ।।

संपादकीय

हुनर के हरकारे

"हुनर वो दीप है, जो स्वयं जलकर दूसरों का पथ आलोकित करता है।" इस अंक में हम ऐसे ही दीपों की बात कर रहे हैं — हमारे विद्यार्थियों, शिक्षकों और विश्वविद्यालय समुदाय के उन प्रतिभावान हस्ताक्षरों की, जिनका कौशल न केवल उनकी पहचान बना, बल्कि हमारे परिसर को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

"हुनर के हरकारे" शीर्षक इस विशेषांक में हम उन कहानियों को समर्पित हैं जो हमें यह विश्वास दिलाती हैं कि सीखने की कोई सीमा नहीं होती और हर हाथ, हर मन में कोई न कोई विशिष्ट योग्यता छिपी होती है — बस उसे अवसर और मंच चाहिए।
चाहे वह एक छात्र का स्टार्टअप हो, किसी प्रोफेसर की नवाचार आधारित शोध परियोजना, किसी कलाकार की रेखाचित्र-श्रृंखला या किसी संगीत प्रेमी की प्रस्तुति — हर हुनर यहाँ अपना स्थान पाता है। हम मानते हैं कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है; यह उस समग्र विकास की प्रक्रिया है जिसमें सोच, रचना, प्रयोग

और प्रस्तुति का सामंजस्य हो।

यह अंक इस विश्वास को भी बल देता है कि हुनर ही भविष्य है। आज की दुनिया में रोजगार और उद्यमिता दोनों की राहें कौशल से होकर ही गुजरती हैं। अतः हम विद्यार्थियों से यही अपेक्षा करते हैं कि वे अपनी प्रतिभा को पहचानें, उसे मांजें और आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाएं।

आइए, हम सब मिलकर हुनर को उसकी असल जगह दें — समाज और शिक्षा दोनों के केंद्र में।

– संपादकीय टीम
विश्वत | सी. वी. रामन विश्वविद्यालय खण्डवा

वृतांत

1. 2 मई को डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय ने प्रिसिजन फार्मिंग पर ऑनलाइन परिचर्चा आयोजित की, जिसमें उपग्रह व भू-स्थानिक तकनीक से भूमि प्रबंधन और उत्पादन वृद्धि पर चर्चा हुई। कुलपति डॉ. अरुण जोशी, वैज्ञानिक डॉ. मधुकांत पटेल समेत विशेषज्ञों ने भाग लिया। कुलसचिव श्री रवि चतुर्वेदी ने निमाड़ क्षेत्र में तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र की योजना की जानकारी दी।
2. 10 मई को खंडवा में काव्य संग्रह "गुमशुदा चाबियों की तलाश" का लोकार्पण वनमाली सृजन पीठ व डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।
3. "वनमाली समर आर्ट वर्कशॉप" 12 से 22 मई तक खंडवा में आयोजित की गई। बच्चों व छात्रों को लेखन, गायन, नृत्य, पेंटिंग, अभिनय आदि रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया।

4. बच्चों को कला, साहित्य, पेंटिंग, लेखन आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बी.एड. छात्र इसे लाइव लैब के रूप में प्रयोग कर रहे हैं। आयोजन में कुलपति डॉ. अरुण जोशी व कुलसचिव रवि चतुर्वेदी की उपस्थिति रही।

अंक 10, क्रमांक -2,
माहः मई 2025

विश्वत

हुनर पथदर्शी

हर छात्र में छिपा है एक हुनर: कौशल विकास में शिक्षक की भूमिका

"A thought is the seed of a deed."
“विचार ही कर्म का बीज होता है।"

हर छात्र एक बीज की तरह होता है जिसमें विशिष्ट प्रतिभा और हुनर का बीजाणु छिपा होता है। शिक्षक वह माली हैं जो इस बीज को पहचानते हैं, सींचते हैं और उसमें जीवन और दिशा भरते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) इसी विचार को आधार बनाकर शिक्षा को "ज्ञान केंद्रित"होने के साथ ही "हुनर केंद्रित" बनाने की दिशा में बड़ा परिवर्तन लेकर आई है। NEP 2020 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचना सम्प्रेषण तक सीमित नहीं होने देना है, बल्कि छात्रों में 21वीं सदी के कौशल विकसित करना है — जैसे कि क्रांतिक चिंतन (critical thinking), सृजनात्मकता (creativity), समस्या समाधान (problem solving), डिजिटल साक्षरता (digital literacy), संप्रेषण कौशल (communication skills) और मूल्य आधारित जीवन (life values) ।

संपादकीय मंडल

संरक्षक : प्रो. (डॉ.)अरुण रमेश जोशी,
कुलगुरु, सी. वी. आर. यू. खंडवा,
प्रधान संपादक : श्री रवि चतुर्वेदी,
कुलसचिव, सी. वी. आर. यू. , खंडवा,
कार्यकारी संपादक : प्रो. नेहा शुक्ला, मुख्य प्रकाशन अधिकारी
सदस्य : 1. डॉ. सीमा शर्मा, डायरेक्टर रिसर्च एंड इनोवेशन
2. डॉ. गणेश मलगाया, डायरेक्टर केंद्रीय प्रयोगशाला समन्वयक
3. प्रो. योगेश महाजन, तकनीकी अधिकारी, कुलगुरु सचिवालय
संकल्पना : श्री प्रमोद पटेल, ग्राफिक डिजाइनर
प्रकाशन विभाग
संचार एवं प्रसार : श्री मनदीप सिंह पंवार, अध्ययनशाला समन्वयक
आर्यभट्ट स्कूल ऑफ डिजिटल लर्निंग
श्री हमज़ा मलिक,
वनमाली केन्द्रीय ग्रंथालय

यह परिवर्तन तभी संभव है जब शिक्षक अपनी पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़कर कौशल विकास के सच्चे मार्गदर्शक बनें। उन्हें अब केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि छात्रों की रुचियों, क्षमताओं और व्यक्तिगत प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सही अवसरों और मंच से जोड़ना है। एक छात्र जो कहानी सुनाने में माहिर है, उसे डिजिटल मीडिया, थिएटर या कंटेंट क्रिएशन की दिशा में प्रेरित किया जा सकता है।

एक छात्र जो तकनीकी उपकरणों से खेलना पसंद करता है, वह कोडिंग, रोबोटिक्स या नवाचार आधारित परियोजनाओं में उत्कृष्टता पा सकता है।

NEP 2020 का यह भी लक्ष्य है कि प्रारंभिक शिक्षा से ही कौशल प्रशिक्षण को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, जिससे छात्रों को व्यावहारिक जीवन के लिए तैयार किया जा सके। इसके लिए विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में कौशल आधारित पाठ्यक्रम, इंटरशिप, वर्कशॉप और लाइव प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा दिया जा रहा है।

इसमें शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है:

- **वे सुगमकर्ता (facilitator) बनकर सीखने के माहौल को संवादपरक और प्रयोगधर्मी बनाएँ।**
- **वे मार्गदर्शक (mentor) बनकर छात्रों की व्यक्तिगत रुचियों को पोषित करें।**
- **वे स्वयं कुशल शिक्षक (skilled educator) बनें जो तकनीकी, सामाजिक और रचनात्मक सभी क्षेत्रों में अपडेटेड हों।**

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षक NEP 2020 की मंशा को केवल दस्तावेज़ के रूप में नहीं, बल्कि कक्षा और परिसर की संस्कृति में परिवर्तित करे । जब वे यह स्वीकार कर लेते हैं कि “हर छात्र में एक हुनर है”, तब वे न केवल एक छात्र को शिक्षित कर रहे होते हैं, बल्कि एक समाज निर्माता को आकार दे रहे होते हैं।

हुनर और हम

"युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है, और जब युवाओं का हुनर समाज के हित में जुड़ता है, तब भारत आत्मनिर्भर बनता है।"

— प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

आज का भारत एक नए भारत की ओर अग्रसर है – एक ऐसा भारत जहाँ हर नागरिक आत्मनिर्भर हो, हर गाँव तकनीकी रूप से सक्षम हो, और हर युवा हुनरमंद हो। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार, कौशल विकास केवल रोज़गार की आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। इसी सोच से प्रेरित होकर "हुनर और हम" जैसे प्रयास आज देश के कोने-कोने में सामाजिक बदलाव की नई मिसाल पेश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री की दृष्टि में कौशल और सामाजिक उद्यमिता:

प्रधानमंत्री ने अपने विभिन्न भाषणों में यह बार-बार दोहराया है कि —

"भारत के पास एक युवा जनसांख्यिकी पूंजी है, और इसे यदि कौशल से जोड़ा जाए, तो यह केवल आर्थिक ही नहीं, सामाजिक क्रांति भी ला सकती है।"

जब विश्वविद्यालयों, विद्यालयों या युवाओं द्वारा हुनर का उपयोग समाज के हित में किया जाता है

- महिलाओं को स्वरोज़गार प्रशिक्षण देना,
- डिजिटल साक्षरता फैलाना,
- पर्यावरण अनुकूल उत्पाद बनाना,
- ग्रामीण नवाचारों को बढ़ावा देना,

तो ये प्रयास सीधे-सीधे प्रधानमंत्री की परिकल्पना को धरातल पर उतारते हैं। इन कार्यों में सिर्फ आर्थिक पहलू नहीं होता, बल्कि सामाजिक न्याय, समावेशन और सामुदायिक विकास की भावना भी होती है — जो "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मूल मंत्र से जुड़ी है।

इसी उद्देश्य से कई प्रमुख पहल की गई हैं:

- **Skill India Mission (२०१५):** जिसका उद्देश्य युवाओं को रोजगारोन्मुखी और उद्यमशील बनाना है।
- **Startup India, Standup India:** जिससे नवाचार और सामाजिक उद्यमिता को बल मिले।
- **Atmanirbhar Bharat Abhiyan:** जिसमें स्थानीय संसाधनों पर आधारित व्यवसायों और हुनर को बढ़ावा देना मुख्य है।
- **PM Kaushal Vikas Yojana (PMKVY):** जिससे तकनीकी, पारंपरिक और आधुनिक कौशल का प्रशिक्षण बड़े स्तर पर दिया जा रहा है।

क्यों हैं ये प्रयास सार्थक?

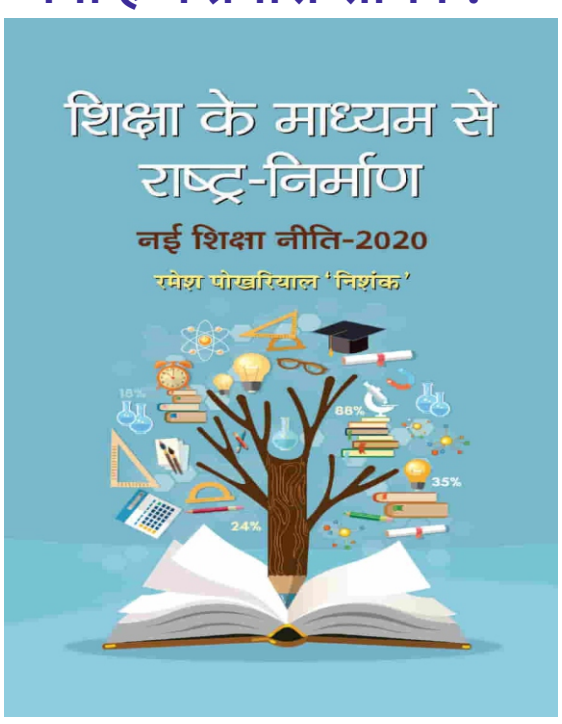

- रोज़गार से आत्मनिर्भरता: कौशल से युवाओं को न केवल काम मिलता है, बल्कि वे खुद रोजगार देने वाले भी बनते हैं।
- समाज में जागरूकता: स्किल आधारित कार्यक्रमों से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, डिजिटल अधिकार जैसे क्षेत्रों में जन-जागरूकता बढ़ती है।
- स्थानीय विकास: सामाजिक उद्यमिता स्थानीय संसाधनों के उपयोग और स्थानीय समस्याओं के समाधान की ओर प्रेरित करती है।
- राष्ट्र निर्माण में भागीदारी: युवा अब केवल लाभार्थी नहीं, भागीदार की भूमिका निभा रहे हैं।

"हुनर और हम" की सोच केवल एक शैक्षणिक या सामाजिक प्रयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत और समावेशी समाज के स्वप्न की सच्ची व्याख्या है। जब छात्र, शिक्षक और संस्थाएँ अपने कौशल को समाज की सेवा में लगाते हैं, तब वे देश की सॉफ्ट पावर बन जाते हैं — एक ऐसी ताक़त जो देश को विचारों, मूल्यों और सहकारिता से समृद्ध करती है।

"कौशल से करियर की ओर: शिक्षा का नया प्रतिमान"

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा ने 21वीं सदी के भारत की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कौशल आधारित शिक्षा प्रणाली को मजबूती से अपनाने की दिशा में एक ठोस कदम बढ़ाया है। इस प्रयास के अंतर्गत विश्वविद्यालय ने अपने सभी स्कूलों में 3 से 6 माह की अवधि वाले व्यावहारिक स्किल सर्टिफिकेट कोर्सेज़ को अंतिम रूप दिया है।

यह पहल सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया स्कूल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन के नेतृत्व में संचालित की गई है। इसका उद्देश्य छात्रों को केवल अकादमिक ज्ञान नहीं, बल्कि औद्योगिक, व्यावसायिक व सामाजिक जीवन से जुड़ी व्यवहारिक दक्षताओं से सशक्त बनाना है।

"हर स्कूल, पांच कौशल – एक साझा सपना"

सभी स्कूलों ने अपनी शैक्षणिक विशेषज्ञता और औद्योगिक मांगों को ध्यान में रखते हुए 5 से 6 रोजगारोन्मुखी और नवाचार-प्रेरित कौशल पाठ्यक्रमों का चयन किया है। ये कोर्सेज़ न केवल छात्रों की तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास को बढ़ाएंगे, बल्कि उन्हें उद्यमशीलता, नेतृत्व और सामाजिक दायित्व के लिए भी तैयार करेंगे।

प्रमुख कौशल पाठ्यक्रम (स्कूलवार झलक) :

- **कृषि विज्ञान:** वर्मी कम्पोस्ट, मशरूम व्यवसाय, मृदा परीक्षण, टिशू कल्चर
- **वाणिज्य:** जीएसटी प्रबंधन, ई-कॉमर्स रणनीतियाँ, फाइनेंशियल अकाउंटिंग
- **कंप्यूटर साइंस:** पायथन, वेब डेवेलपमेंट, जावा, फुल स्टैक, डीबीएमएस
- **शिक्षा:** विद्यालय नेतृत्व, शैक्षणिक मनोविज्ञान, एक्शन रिसर्च
- **मानविकी व भाषा:** हिंदी अनुवाद, डिजिटल पत्रकारिता, पर्यटन विकास
- **प्रबंधन:** ब्रांडिंग, सेल्स स्ट्रैटेजी, वित्तीय योजना, पब्लिक स्पीकिंग
- **पैरा-मेडिकल:** फर्स्ट एड, फीलबोटोमी, मानसिक स्वास्थ्य सहायता
- **फार्मेसी:** हर्बल ड्रग्स, फार्माकोविजिलेंस, न्यूट्रास्युटिकल्स
- **ग्रामीण प्रौद्योगिकी:** सौर ऊर्जा, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग, बम्बू उत्पाद निर्माण
- **विज्ञान:** डीएनए जीनोमिक्स, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण विषविज्ञान

सार्थकता और भविष्य की दिशा

यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उस विचार को मजबूती देती है जिसमें शिक्षा को लचीला, बहु-विकल्पीय, और कौशलोन्मुख बनाया गया है। साथ ही, यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "हर हाथ को हुनर, हर युवा को अवसर" के सपने को भी व्यवहार में उतारता है।

इन कोर्सेज़ के ज़रिए छात्र केवल नौकरी की तलाश करने वाले नहीं, बल्कि स्वयं रोज़गार देने वाले, समाधान खोजने वाले, और समाज बदलने वाले बन सकेंगे।

"हर स्कूल की तत्परता और सहभागिता ने यह दिखा दिया है कि हम एक हुनर आधारित, छात्र-केंद्रित, समाज-समर्पित शिक्षा व्यवस्था की ओर तेज़ी से बढ़ रहे हैं। आगामी अकादमिक सत्र से इन कोर्सेज़ का क्रियान्वयन छात्रों के लिए नई दिशा और नए अवसर लेकर आएगा।"

"कौशल से करियर की ओर" केवल एक पहल नहीं, बल्कि एक ऐसी शिक्षा-क्रांति है जो ज्ञान और हुनर को जोड़कर छात्रों को एक सार्थक, सशक्त और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर अग्रसर करती है। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय खंडवा ने यह दिखा दिया है कि भविष्य उन्हीं का होगा जिनके पास ज्ञान के साथ-साथ कौशल की धार भी होगी।

हुनर का संतुलन: सफलता की चार दिशाएँ

Think Skillfully, Act Meaningfully."

आज की दुनिया में सिर्फ एक हुनर से काम नहीं चलता। बदलते समय की मांग है कि व्यक्ति के भीतर न केवल तकनीकी दक्षता हो, बल्कि व्यवहारिक समझ, मानसिक लचीलापन और भविष्य की अनिश्चितताओं से निपटने की तैयारी भी हो। यही कारण है कि अब शिक्षा और करियर की सफलता चार प्रमुख प्रकार के कौशलों – हार्ड स्किल्स, सॉफ्ट स्किल्स, लाइफ स्किल्स और मेटा स्किल्स – के संतुलन पर निर्भर हो गई है।

हार्ड स्किल्स वह बुनियादी तकनीकी योग्यता हैं जो किसी विशेष पेशे के लिए जरूरी होती हैं, जैसे कि लेखांकन, कोडिंग, लैब टेस्टिंग या मशीन संचालन। लेकिन इन स्किल्स के बिना भी सफलता अधूरी रह जाती है, अगर व्यक्ति में सॉफ्ट स्किल्स नहीं हैं – जैसे संवाद कला, टीम वर्क, नेतृत्व और सहानुभूति। यही सॉफ्ट स्किल्स हमें दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से काम करना सिखाती हैं, और पेशेवर दुनिया में स्थायित्व और ग्रोथ दिलाती हैं।

इसके साथ ही, किसी भी व्यक्ति को जीवन में मानसिक संतुलन और आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए लाइफ स्किल्स की भी जरूरत होती है – जैसे निर्णय क्षमता, तनाव प्रबंधन, समय-नियोजन और आर्थिक समझ। यह कौशल जीवन के हर मोड़ पर साथ निभाते हैं। और अंत में, आज की सबसे आवश्यक क्षमता है मेटा स्किल्स – यानी वह गुण जो व्यक्ति को लगातार सीखने, बदलाव के साथ ढलने और नई चुनौतियों के अनुकूल खुद को गढ़ने में सक्षम बनाते हैं।

इन चारों प्रकार के कौशल एक-दूसरे के पूरक हैं। हार्ड स्किल्स काम सिखाते हैं, सॉफ्ट स्किल्स उसे बेहतर तरीके से करने का तरीका। लाइफ स्किल्स आपको जीवन में स्थिर रखते हैं, और मेटा स्किल्स यह सुनिश्चित करते हैं कि आप बदलती दुनिया के साथ अद्यतन बने रहें। यदि एक भी हिस्सा कमजोर हो, तो सफलता का संतुलन बिगड़ सकता है।

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा, इसी समझ को आधार बनाकर स्किल-आधारित शिक्षा को नई दिशा देने में जुटा है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न स्किल सर्टिफिकेट कोर्सेज़ का उद्देश्य केवल तकनीकी दक्षता बढ़ाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को बहुआयामी रूप से सक्षम बनाना है – ताकि वे न केवल अच्छे प्रोफेशनल, बल्कि संतुलित और जागरूक नागरिक भी बनें।

सच तो यह है कि भविष्य उन्हीं का है, जिनके पास केवल डिग्री नहीं, दिशा देने वाले हुनर भी हैं।

वोकल फॉर लोकल: स्थानीय हुनर को वैश्विक मंच

" जब स्थानीय उत्पादन को वैश्विक सोच से जोड़ा जाए, तब आत्मनिर्भरता सिर्फ सपना नहीं, हकीकत बनती है।" प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'वोकल फॉर लोकल' अभियान केवल एक आर्थिक रणनीति नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा और संस्कृति का सम्मान है। यह पहल न केवल स्थानीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देती है, बल्कि पारंपरिक कारीगरों, शिल्पकारों और युवा उद्यमियों को सशक्त और स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है।

"स्थानीय को वैश्विक बनाइए – लोकल को ग्लोबल ब्रांड बनाना ही हमारा लक्ष्य है।"

— प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

'वोकल फॉर लोकल' का आशय है कि हम स्थानीय उत्पादों, सेवाओं और शिल्पों का समर्थन करें, उन्हें अपनाएँ और दूसरों को प्रेरित करें। यह केवल आत्मनिर्भर भारत की भावना नहीं, बल्कि भारत की पारंपरिक अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला विचार है।

नवाचार + परंपरा = आत्मनिर्भरता

'वोकल फॉर लोकल' ने यह दिखा दिया है कि हस्तकला, कृषि आधारित उत्पाद, लोक कला या पारंपरिक सेवाएँ यदि सही मार्गदर्शन, डिज़ाइन और बाज़ार तक पहुँच पाएँ — तो वे करियर भी बनती हैं, संस्कृति भी बचाती हैं।

'वोकल फॉर लोकल' आज एक युवा आंदोलन बन चुका है। यह केवल 'खरीद' का विचार नहीं, बल्कि सम्मान, संरक्षण और सशक्तिकरण का मंत्र है। "जब शिक्षा संस्थान समाज की जड़ों से जुड़ते हैं, तब वे केवल शिक्षित नहीं, सक्षम और संवेदनशील नागरिक तैयार करते हैं – जो आत्मनिर्भर भारत का आधार बनते हैं।"

पुस्तकमंथन

सही किताब सिर्फ विचार नहीं बदलती, रास्ते दिखाती है — और यही रास्ता बन सकता है सफलता का।"

– डॉ. अरुण जोशी, कुलगुरु , डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा

"पुस्तकमंथन" डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा द्वारा आरंभ किया गया एक विशेष साहित्यिक स्तंभ है, जिसका उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पुस्तकों तक सीमित नहीं है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य है — विद्यार्थियों को ऐसी पुस्तकों से जोड़ना जो उनकी विषयगत समझ के साथ-साथ सोचने की दिशा, आत्मविश्वास और व्यावसायिक कौशल को भी समृद्ध करें। यह स्तंभ "पढ़ना – समझना – अपनाना" की अवधारणा पर आधारित है, जहाँ हर पुस्तक एक संभावना का द्वार खोलती है।

"हुनर पर किताबें"

यह विशेष स्तंभ विद्यार्थियों को केवल कौशल विकास तक सीमित नहीं, बल्कि करियर निर्माण, आत्मविकास, नेतृत्व और प्रेरणा से जुड़ी पुस्तकों की झलक भी देगा।

कौशल विकास, उद्यमिता, आत्म-विकास, करियर मार्गदर्शन और नई सोच से जुड़ी कुछ प्रमुख और चर्चित पुस्तकों की सूची दी गई है —

कौशल विकास और करियर गाइडेंस पर किताबें

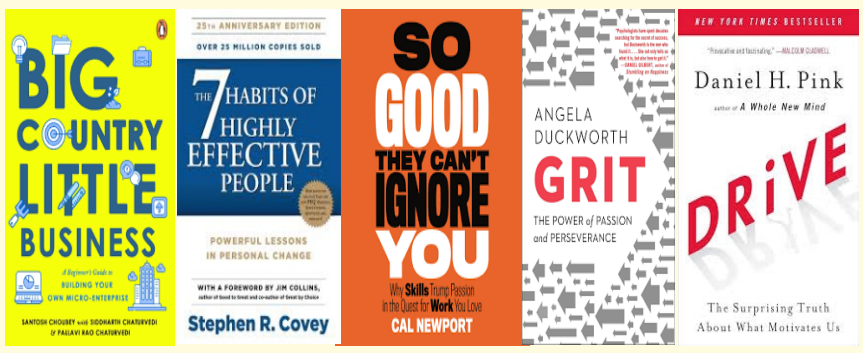

1. Big Country, Little Business – Santosh Choubey with Siddharth Chaturvedi भारत के ग्रामीण और छोटे व्यवसायों की प्रेरक कहानियाँ और उनसे जुड़ी उद्यमिता की संभावनाएँ।

2. So Good They Can't Ignore You – Cal Newport
पैशन के बजाय कौशल को प्राथमिकता देकर करियर बनाने की प्रभावशाली सोच।

3. The 7 Habits of Highly Effective People – Stephen R. Covey
सफलता और नेतृत्व के लिए आज भी सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली क्लासिक पुस्तक।

4. Grit: The Power of Passion and Perseverance – Angela Duckworth
लगातार प्रयास और धैर्य की ताकत को समझाने वाली प्रभावशाली पुस्तक।

5. Drive: The Surprising Truth about What Motivates Us – Daniel H. Pink
प्रेरणा के पीछे छिपी वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक सच्चाई।

उद्यमिता और व्यवसाय पर किताबें

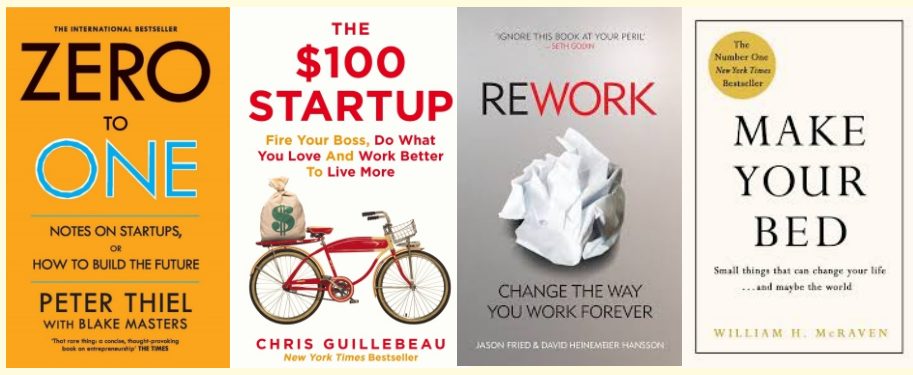

1. Zero to One – Peter Thiel
नवाचार और व्यवसाय निर्माण की नई सोच – खासकर टेक स्टार्टअप्स के लिए।

2. The $100 Startup – Chris Guillebeau
सीमित संसाधनों से व्यवसाय की शुरुआत कैसे करें, सैकड़ों वास्तविक उदाहरणों सहित।

3. Rework – Jason Fried & David Heinemeier Hansson
पारंपरिक बिज़नेस थ्योरी से हटकर सरल, व्यावहारिक और तेज़ तरीकों से काम करने की किताब।

4. Make Your Bed – Admiral William H. McRaven
अनुशासन और छोटे निर्णयों के ज़रिए जीवन और करियर में बदलाव लाने की प्रेरक कहानियाँ।

4. How I Built This – Guy Raz
दुनिया के सफल स्टार्टअप्स की प्रेरक यात्रा – NPR पॉडकास्ट पर आधारित।

स्व-विकास और लाइफ स्किल्स पर किताबें

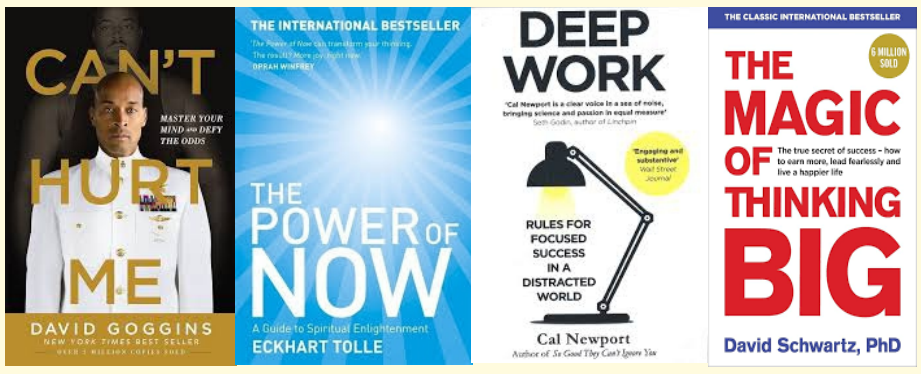

1. Can't Hurt Me – David Goggins
आत्म-प्रेरणा, मानसिक मजबूती और सीमाओं को पार करने की कहानी।

2. The Power of Now – Eckhart Tolle
वर्तमान में जीने और आंतरिक शांति पाने का गहन दृष्टिकोण।

3. Deep Work – Cal Newport
ध्यान केंद्रित करके श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने के विज्ञान पर आधारित।

4. The Magic of Thinking Big – David J. Schwartz
बड़े सपने देखने और उन्हें हकीकत में बदलने की क्लासिक प्रेरक पुस्तक।